अद्वैत वेदांत के अनुसार ब्रह्म, माया एवं जीव के संबंध का विश्लेषण करें। अद्वैतवाद की विशेषताओं एवं उसके दार्शनिक महत्व पर भी प्रकाश डालें।

5. Write a short note on any **three** of the following : 3×5=15

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(a) Epistemology

ज्ञानमीमांसा

(b) Pratyksha Pramana

प्रत्यक्ष प्रमाण

(c) Consciousness and Matter

चेतना और पदार्थ

(d) Liberation

मोक्ष

(e) Jiva

जीव

(f) Nyaya Philosophy

न्याय दर्शन

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **5823 I**

Unique Paper Code : 2134002001

Name of the Paper : Fundamentals of Indian Philosophy

Name of the Course : **Common Prog. Group, GE**

Semester : VI

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(c) **All** questions carry equal marks.

सभी प्रश्नों के अंक समान है।

(d) Unless otherwise required in a question, answer should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Describe in detail the concept of 'philosophy', its objectives and importance and explain the various classifications of Indian philosophy.

'दर्शन' की संकल्पना, उसके उद्देश्यों एवं महत्व का विस्तार से वर्णन करें तथा भारतीय दर्शन के विभिन्न वर्गीकरणों को स्पष्ट करें।

OR/अथवा

Analyze the concept of pramāṇa under epistemology.

ज्ञानमीमांसा (Epistemology) के अंतर्गत प्रमाण (pramāṇa) की अवधारणा का विश्लेषण करें।

2. Compare the theories of Satkaryavada and Asatkaryavada and explain how the cause-effect relationship is understood in these theories.

सत्कार्यवाद एवं असत्कार्यवाद के सिद्धांतों की तुलना करते हुए, यह स्पष्ट करें कि इन सिद्धांतों में कारण-कार्य संबंध को किस प्रकार समझा गया है ?

OR/अथवा

Explain in detail the theory of karma and the principle of rebirth and explain their relationship to the concept of liberation.

कर्म-सिद्धांत एवं पुनर्जन्म-सिद्धांत का विस्तार से वर्णन djarFkk ek{k ½Liberation) की अवधारणा से इनके संबंध को स्पष्ट करें।

3. Describe the four noble truths of Buddhist philosophy and their role in the removal of suffering.

बौद्ध दर्शन के चार आर्य सत्यों का वर्णन करें तथा दुःख-निवारण की दिशा में इनकी भूमिका को प्रस्तुत करें।

OR/अथवा

Compare the atheistic philosophies (Charvaka, Jain, Buddhist), how do they challenge the Vedic tradition ?

नास्तिक दर्शनों (चार्वाक, जैन, बौद्ध) की तुलना करते हुए, यह बताइए कि ये वेद-प्रधान परंपरा को किस प्रकार चुनौती देते हैं ?

4. Present a detailed discussion of the theory of Prakriti and Purusha according to the Samkhya philosophy. Explain the role of the three gunas (sattva, rajas, tamas).

सांख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति एवं पुरुष के सिद्धांत का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत करें। तीन गुणों (सत्त्व, रजस्, तमस्) की भूमिका को स्पष्ट करें।

OR/अथवा

According to Advaita Vedanta, analyse the relationship between Brahman, Maya and Jiva. Throw light on the characteristics of Advaita philosophy and its philosophical significance.